



साउथ एशिया इकोनॉमिक फोकस: विश्व बैंक

प्रलिस के लयः

वशिव बैंक, साउथ एशिया इकोनॉमिक फोकस, जीडीपी, जीवीए, उच्च तेल और खाद्य मूल्य ।

मेन्स के लयः

महलाओं से संबधति मुद्दे, साउथ एशिया इकोनॉमिक फोकस, दक्षणि एशिया में जीडीपी वकिस को प्रभावति करने वाले कारक ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **वशिव बैंक** ने अपनी रपिर्ट **साउथ एशिया इकोनॉमिक फोकस (द्व-वार्षिक)** में भारत और पूरे दक्षणि एशियाई कषेत्र के लयि अपने आर्थकि वकिस के पूरवानुमान में कटौती की ।

साउथ एशिया इकोनॉमिक फोकस वर्तमान के आर्थकि वकिस का वर्णन, **यूक्रेन में युद्ध** के दक्षणि एशिया पर आर्थकि प्रभाव का वशल्लेषण, वकिस के पूरवानुमान के साथ-साथ ज़ोखमि परदृश्य प्रदान करता है और इसने यह नषिकर्ष नकाला है क अर्थव्यवस्थाओं को फरि से आकार देने के लयि मानदंडों को पुनः आकार देने की आवश्यकता है ।

सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के अनुमानः

- चालू वतित वर्ष 2022-23 के लयि भारत की वकिस दर को **8.7%** के पछिले अनुमान से घटाकर 8% कर दया जाए ।
- अफगानसितान को छोड़कर 1% की कटौती दक्षणि एशिया के लयि वकिस दृष्टकिेण को 6.6% तक इंगति करती है ।
- जून में समाप्त होने वाले चालू वर्ष के लयि इस कषेत्र की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पाकसितान हेतु अपने वकिस पूरवानुमान को 3.4% से बढ़ाकर 4.3% कर दया और अगले वर्ष के वकिस दृष्टकिेण को 4% पर अपरवर्तति रखा है ।

कम जीडीपी अनुमान के लयि ज़मिेदार कारकः

- बगिड़ती आपूरत शृंखला और यूक्रेन संकट के कारण **बढ़ता मुद्रासफीता** ज़ोखमि ।
- भारत में महामारी और मुद्रासफीता के दबाव तथा **शर्म बाज़ार** की रकिवरी से घरेलू खपत बाधति होगी ।
- **यूक्रेन में युद्ध के कारण तेल और खाद्य पदार्थों की ऊँची कीमतों** का लोगों की वास्तवकि आय पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा ।
- ऊर्जा आयात पर कषेत्र की नरिभरता का मतलब है क **कच्चे तेल की उच्च कीमतों** ने अर्थव्यवस्थाओं को मुद्रासफीता पर ध्यान केंद्रति करने के लयि मंजूर कया है, न क ललगभग दो वर्षों की महामारी के दौरान प्रतबिंधों के बाद आर्थकि वकिस को पुनर्जीवति करने के लयि ।

सकल घरेलू उत्पाद (GDP):

- यह कसी देश की आर्थकि गतविधिका एक उपाय है । यह कसी देश की वस्तुओं और सेवाओं के वार्षकि उत्पादन का कुल मूल्य है ।
- **जीडीपी** = नजी खपत + सकल नविश + सरकारी नविश + सरकारी खर्च + नरियात-आयात ।

सकल मूल्यवर्द्धति (GVA) और जीडीपी (GDP) में अंतरः

- GVA अर्थव्यवस्था में कुल उत्पादन और आय का एक उपाय है । यह उन वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में इनपुट और कच्चे माल की लागत में की गई कटौती के बाद अर्थव्यवस्था में उत्पादति वस्तुओं और सेवाओं की संख्या के लयि मौद्रकि मूल्य प्रदान करता है ।
- यह कसी वशिष्ट कषेत्र, उद्योग या अर्थव्यवस्था की वशिष्ट तस्वीर भी प्रदान करता है ।
- मैकरो स्तर पर राष्ट्रीय लेखा परपिरेकष्य से GVA कसी देश के सकल घरेलू उत्पाद और अर्थव्यवस्था में सब्सडि एवं करों का योग है ।
 - **सकल मूल्यवर्द्धन** = GDP + उत्पादों पर सब्सडि - उत्पादों पर कर ।

महिलाओं से संबंधित नषिकर्षः

- **पारंपरिक दृष्टिकोणः** लुगि के परतपारंपरिक दृष्टिकोण और गहरी जड़ें सामाजकि मानदंड नरुमति करते रहे हैं या समय के साथ अधकि रूढवादी हो गए हैं।
 - वे लैंगकि समानता, बच्चों के कल्याण के साथ-साथ व्यापक आरुथकि वकिस की दशिया में एक प्रमुख बाधा हो सकते हैं।
- **महिलाओं द्वारा नुकसान का सामनाः** दशकों के आरुथकि वकिस, बढ़ती शकिस और घटती प्रजनन कषमता के बावजूद महिलाओं को इस कषेत्र में आरुथकि अवसरों तक पहुँचने में भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।
- **शरुम बल में भागीदारीः** कई दकषणि एशियाई देश महिला शरुम शकृती भागीदारी के साथ-साथ अनूय प्रकार की लैंगकि असमानताओं जैसे- आंदोलन की सुवतंतरता, सामाजकि संपरुक, संपत्तकि सुवामतुव और बेटे को वरीयता के मामले में वैशुवकि सुतर पर सबसे नमिन सुतर पर हैं।
- **कम आरुथकि गतवधियः** दुनया भर में वकिस के उच्च सुतर पर महिलाएँ घर के कामों में कम समय और भुगतान वाले रोजगार में अधकि समय व्यतीत करती हैं। हालाँकि अधकिंश दकषणि एशियाई देशों में महिलाओं का आरुथकि गतवधियों में जुड़ाव अपेक्षा से कम है जो इस कषेत्र के वकिस के सुतर को देखते हुए अपेक्षति होगा।
- **रूढवादी वशुवासः** कुछ अपवादों के साथ दकषणि एशियाई देशों में घरेलू शरुम वभाजन संबधी रूढवादी वशुवास महिलाओं के आरुथकि जुड़ाव में इन बड़े अंतरालों हेतु ज़मिमेदार है।

प्रमुख सुझावः

- **योजनागत नीतयिाँः** सरकारों को बाहरी इटकों का मुकाबला करने और कमज़ोर लोगों की सुरक्षा हेतु मौदरकि और राजकोषीय नीतयिों की सावधानीपूर्वक योजना बनाने की आवश्यकता है।
- **महिलाओं के लयि हसुतकषेपः** देशों को उन हसुतकषेपों को लागू करने की आवश्यकता है जो महिलाओं की आरुथकि भागीदारी में बाधाओं को कम करते हैं, जसिमें महिलाओं के खलियाफ पूरुवाग्रह वाले मानदंड भी शामिल हैं।
- **लो कारुबन डेवलपमेंटः** देशों को भी कम कारुबन वकिस पथ पर तीव्रता के साथ कारुय करना चाहयि और ईधन आयात पर नरुभरता को कम करने हेतु एक हरति अरुथव्यवसुथा की ओर बढ़ना चाहयि।

यूपीएससी सवलिल सेवा परीक्षा, वगित वरुषो के प्रश्नः

प्रश्नः नमिनलखिति में से कौन वशुव के देशों को 'ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स' रैंकगि जारी करता है? (2017)

- (a) वशुव आरुथकि मंच
- (b) संयुक्त राष्ट्र मानवाधकिार परषिद
- (c) संयुक्त राष्ट्र महिला
- (d) वशुव सुवासुथुय संगठन

उत्तरः (a)

- ग्लोबल जेंडर गैप ररुिपोर्ट का प्रकाशन वरुल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा कयिा जाता है।

सु्रोतः इंडयिन एक्सप्रेस